A–0158

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-101

भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्माण्ड एवं काल विवेचन

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निहारिका किसे कहते हैं ? उसके स्वरूपों की विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. सौरमण्डल के विविध स्वरूपों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. युग एवं महायुग को परिभाषित करते हुए सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. उल्का एवं धूमकेतु का परिचय देते हुए दोनों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. अयन एवं गोल से आप क्या समझते हैं ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधिमास व क्षयमास को परिभाषित कीजिए।

2. मूर्त काल का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. वेदांगों में सृष्टि प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।

4. प्राच्य एवं पाश्चात्य मत के अनुसार ग्रह कथा का वर्णन कीजिए।

5. ऋतु का परिचय देते हुए सविस्तार वर्णन कीजिए।

6. तिथियों की संज्ञाएँ एवं स्वामी का सविस्तार वर्णन कीजिए।

7. बुध ग्रह के भौतिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

8. ग्रह एवं उपग्रह में अन्तर कीजिए।

****